

## शब्द शुद्धि -

भाषा विचारों की अभिव्यक्ति का संशुद्ध माध्यम है और शब्द भाषा की सबसे छोटी सार्थक इकाई है, भाषा के माध्यम से ही मनुष्य मौखिक और लिखित रूपों से अपने विचारों को अभिव्यक्त कर पाता है, इस वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए शब्दों का शुद्ध प्रयोग होना आवश्यक है।

जब किसी भाषा में अशुद्ध शब्दों का प्रयोग हो जाता है, तो अर्थ निष्प्रभावी हो जाता है, इसलिए भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए शुद्ध शब्दों का प्रयोग करना आवश्यक होता है, भाषा में शब्दों की अशुद्धि के निम्नलिखित कारण होते हैं।

# ① मात्रा प्रयोग सम्बन्धी अशुद्धि -

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
अतिथी	अतिथि	भागीरथ	भगीरथ
इशा	ईशा	भगीरथी	भगरथी
उषा	उषा	गितांजली	गीतांजलि
उर्जा	ऊर्जा	त्रिपुरारी	त्रिपुरारि
करुणा	करुणा	क्योंकी	क्योंकि



अशुद्ध  
 दवाईयाँ  
 दीयासलाह  
 निरीक्षण  
 नूपुर  
 ईकाई  
 प्रतीलिपी

शुद्ध  
 दवाइयाँ  
 दियासलाई  
 निरीक्षण  
 नूपुर  
 इकाई  
 प्रतिलिपि

अशुद्ध  
 आहुती  
 उदापौष्ट  
 सखावत  
 क्षिती  
 केकेयी  
 तिथी  
 गौतम

शुद्ध  
 आहूति  
 उदापौष्ट  
 सखावत  
 क्षिति  
 केकेयी  
 तिथि  
 गौतम

अशुद्ध

निरव  
 दिवारात्रि  
 अहोरात्रि  
 नीली  
 प्रतिनीधि  
 पड़ोसी  
 पूज्य

शुद्ध

नीरव  
 दिवारात्र  
 अहोरात्र  
 नीलि  
 प्रतिनिधि  
 पड़ोसी  
 पूज्य

अशुद्ध

बिमार  
 मिट्टि  
 मुमूर्ष  
 ल्योहार  
 युयुत्सा  
 रुपया  
 रुप

शुद्ध

बीमार  
 मिट्टी  
 मुमूर्ष  
 ल्योहार  
 युयुत्सा  
 रुपया  
 रुप